PAPER - 2 . UNIT - 5 (भाग - I)

SEC. - B

Geographical account of Bangladesh
बांग्लादेश का भौगोलिक वृतांत

Introduction :- लगभग 25 वर्षों तक पाकिस्तान के हिस्से के रूप में रहने वाला पूर्वी पाकिस्तान 17 दिसम्बर 1971 ई० में पाकिस्तान के साथ नाता तोड़ कर, अपने असंख्य निवासियों की कुर्बानी देने के बाद, बांग्लादेश के नाम से अपना स्वतंत्र अस्तित्व विश्व राजनीतिक मंच पर दर्ज कराया। इसे इस मकाम तक पहुँचाने में सर्वाधिक योगदान भारत का रहा था। हलाँकि राजनीतिक दृष्टि से यह अलग अस्तित्व रखता है किन्तु भू-राजनीतिक दृष्टि से यह भारत का अंग माना जा सकता है।

Location & Extent :-

बंगाल की खाड़ी के शीर्ष पर अवस्थित बांग्लादेश तीन ओर से भारतीय सीमा से घिरा हुआ है। असम और पश्चिम बंगाल के साथ इसकी सीमा पूर्ण रूपेण मानवीय कृति है। इसका कुल क्षेत्रफल 1.44 लाख वर्ग किलोमीटर है। इसका अक्षांशीय विस्तार 19°55' उत्तरी अक्षांश से 27° उत्तरी अक्षांश तक है। देशांतरीय विस्तार 88°E to 92°56'E तक है। 89° का देशांतर रेखा इसके बीचो बीच से गुजरती है। कर्क रेखा देश के मध्य

भाग से गुजरती है।

Landforms :-

बांग्लादेश की संरचनात्मक विशेषता विशेष आकर्षण युक्त नहीं है। देश का 95% भाग इयोसिन काल से लेकर ओलिगोसिन काल के बीच बना है। इसके कुछ भागों जैसे सुदूर पूर्व एवं द० पूर्व भाग में बालू पत्थर, चूना पत्थर तथा क्षेखिया का निक्षेप मिलता है। जबकि अन्य सभी भाग टर्शियरी काल के कॉप मिट्टी के निक्षेप से आच्छादित है।

Physical forms :-

उच्चावचीय दृष्टिकोण से लगभग समस्त बांग्लादेश एक monotonous Landscape का उदाहरण है। गंगा एवं ब्रह्मपुत्र तथा इन्डी के सहायक नदियों द्वारा लाये गये alluvial soil से यह निर्मित है। इस देश का ढाल उत्तर पश्चिम से दक्षिण पूर्व तथा उत्तर से दक्षिण की ओर है। जिसका प्रवाह मंद गति से चलते नदी के दिशा से होता है। इसके भौतिक आधार पर, मोटे तौर पर निम्न विभाग कर सकते है।

① चट्टगाँव तथा सिलहट पहाड़ियाँ एवं लंबवत श्रेणियाँ :-

सिलहट में समुद्र तल से 300 मीटर से अधिक ऊँचाई मिलते है। परंतु अधिकांश पहाड़ी श्रेणी 90-165 मीटर तक ही ऊँचे है। कर्णफूली नदी इसे दो भागों में

विभाजित करती है। फेनू, संगू, मातामुहर, अन्य प्रमुख यहाँ की नदी है। ढालों पर सागौन वन तथा चाय के अतिरिक्त बाँस भी उगता है।

* पहाड़ी क्षेत्र :- चटगाँव पहाड़ी क्षेत्र के उ० पूर्व में स्थित इस क्षेत्र को टिप्परा धरातल कहा जाता है। अपेक्षाकृत ऊँचा धरातल होने के बावजूद यहाँ मेघना, गुमति और निचली फेनी नदियों के बाढ़ का पानी फैलता है।

* जलोढ़ मैदान :- इस प्रकार के भू-भाग ही बांग्लादेश के अधिकांश क्षेत्र को घेरे हुए हैं। यह तीन उप-विभाग में बँटा है।
  (i)- नवीन जलोढ़ मैदान
  (ii)- प्राचीन जलोढ़ मैदान
  (iii)- अति नवीन जलोढ़ मैदान

* दलदली क्षेत्र।
* मधुपुर जंगल क्षेत्र।

Climate :- यह देश भारतीय उप-महाद्वीप का अटपाई भाग है। समुद्र से सटे स्थिति एवं कर्क रेखा का बीचो बीच गुजरना जैसे तत्व इसे अलग जलवायु प्रदान करते हैं। औसत वार्षिक वर्षा 150cm से बढ़ते-बढ़ते पूर्व के सिलहट क्षेत्र में 500cm हो जाती है। जाड़े में तापमान उत्तरी भाग को छोड़कर अत्यंत मृदु होता है। जाड़े में तापमान 18° होता है।

जबकि जुलाई में 40°C तक होती है। वार्षिक तापांतर 15°C के आस-पास होता है। वर्षा दक्षिण-पूर्व से उत्तर-पश्चिम की ओर घटती जाती है। वर्षा का तीन-चौथाई जून-अक्टूबर में प्राप्त होता है।

Vegetation :—

वनस्पति पर वर्षा का प्रभाव स्पष्ट परिलक्षित होता है। दक्षिणी भाग में मैंग्रोव वन तथा उ०-पूर्व एवं द०-प० में Wet tropica, Vegetation की प्रजाति मिलती है। इसके 15% भाग पर जंगल फैला है। बांस और घास के मैदान का विस्तार अधिक है। जिससे कागज बनाया जाता है।

Drainage system :—

बांग्लादेश को नदियों का देश कहा जाता है। गंगा और ब्रह्मपुत्र बड़ी की नदियाँ है। जिसकी अनेक शाखा-प्रशाखा है। मंद ढाल, वर्षा की अधिकता एवं डेल्टाई भाग होने के कारण इस देश का बहुत बड़ा हिस्सा प्रति-वर्ष बाढ़ की विभिषिका से प्रभावित होता है। नदियाँ वृताकार प्रवाह प्रणाली का उदाहरण — प्रस्तुत करती है।